

सन्त नितानन्द जी इस जगत् की वास्तविकता बतलाते हुए कहते हैं कि यह जगतो सेमल-वृक्ष के समान है। मन रूपी तोता (सूवा) इस पर व्यर्थ में ही लुब्ध होकर दुख पाता है।¹ यह तो बाजीगर के खेल के समान ही थोड़ी देर का खेल है। यह तो क्षण स्थायी है, वे भ्रम में हैं जो इसे सच मान लेते हैं।² इस जगत् की वास्तविकता तो मृग-मारीचिका नीर के समान ही है यहाँ से तो प्यासे ही उठ जाते हैं ये अज्ञानी, नगुरे लोग।³ जगत् की छद्म प्रवृत्ति की ओर संकेत करते हुए नितानन्द जी कहते हैं कि यह दुनिया बड़ी छली है, अपने प्रलोभनों से इसी प्रकार लूटती है जैसे ठग विष-मोदक खिलाकर लूट लेता है।⁴ यहाँ का अमोद-प्रमोद भी सब झूठा है, यहाँ की धन-सम्पत्ति भी एक भ्रम-मात्र है ऐसे ही जैसे कोई बाँझ स्वप्न में पुत्र-जन्म पर प्रसन्न होती है। यहाँ क्या रंक क्या राजा सभी इस भूल-भलैया में ग्रस्त हैं।⁵ इसमें जीव का अस्तित्व मृग के समान है। कालरूपी अहेरी सभी के पीछे लगा है तथा सभी का शिकार करता है—मुग्ध समझते ही नहीं।⁶

जीव तथा जगत् सम्बन्धी हरियाणवी सन्तों की ऐसी ही धारणा है।

1. यह जग ऐसा जान ले, जैसा संभल रूख।

सूवै सेवा लायकर, उलटा पाया दुख॥

—सत्य सिद्धांत प्रकाश, पृ० 110; 117

2. बाजीगर बाजी रची, सब जग जानै साच।

नितानंद उठ जायगा, पलक माँहि सब नाँच॥—वही, पृ० 111; 128

3. यह ऐसा संसार है, मृग तृष्णा का नीर।

नितानन्द प्यासे रहें, अंधे नर बेपीर॥—वही, पृ० 111; 139

4. दगाबाज दुनिया सभै, लूटै लारै लाय।

नितानंद ज्यों ठग ठगै, विष के लडू खुवाय॥—वही, पृ० 113; 154

5. जैसे स्वप्ने बाँझ ने, किया पुत्र जन चाव।

ऐसा यह संसार है, कहाँ रंक कहाँ राव॥—वही, पृ० 114; 160

6. जीव मृगला जगत् बन, काल अहेरी लार।

नितानन्द चेतें नहीं, मूरख मुगद गँवार॥—वही, पृ० 259; 9

परिशिष्ट

सहायक ग्रन्थ-सूची

(क) हिन्दी-ग्रन्थ

- रविदास, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली
- (डा०) ओम प्रकाश शर्मा, सन्त साहित्य की लौकिक पृष्ठभूमि, 1965
- ओमानन्द सरस्वती (स्वामी), हरियाणा के प्राचीन मुद्रांक, प्रकाशक—
हरियाणा प्रांतीय पुरातत्व संग्रहालय, गुरुकुल झज्जर, सैनी प्रिंटर्स, पहाड़ी
धीरज, दिल्ली, सम्वत् 2031 वि०
- गणेश दत्त गौड़, कुरु प्रदेश के लोकगीत,
- गोपीनाथ कविराज (डा०), भारतीय संस्कृति और साधना, बिहार राष्ट्र-
भाषा-परिषद, पटना ।
- गणपति चन्द्र गुप्त (डा०), हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास,
भारतेन्द्र भवन, चण्डीगढ़, प्रथम संस्करण ।
- चन्द्रकांत बाली, पंजाब प्रांतीय हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल
पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।
- जगदेव सिंह (डा०), हरियाणा : एक भाषाई और सांस्कृतिक इकाई ;
(शोध-पत्र)
- जार्ज ग्रियर्सन (डा०), हिन्दी साहित्य का प्रथम इतिहास, अनुवादक—
डा० किशोरीलाल गुप्त, 1961 संस्करण ।
- देवीशंकर प्रभाकर, हरियाणा : एक सांस्कृतिक अध्ययन, उमेश प्रकाशन,
दिल्ली 6 ।

- धीरेन्द्र ब्रह्मचारी (डा०), सन्त कवि दरिया : एक अनुशीलन, सन् 1958 संस्करण । बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना,
- धर्मवीर भारती (डा०), सिद्ध साहित्य, प्रथम संस्करण, किताब महल, इलाहाबाद
- (डा०) धीरेन्द्र वर्मा, प्रधान सम्पादक—हिन्दी साहित्य कोश, भाग—1 तथा 2, ज्ञान मण्डल, वाराणसी, संस्करण 2015 वि० तथा 2020 वि० क्रमशः
- धर्मपाल मैनी (डा०), सन्तों के धार्मिक विश्वास, नवजोत पब्लिकेशन, सिंहल प्रिंटिंग प्रेस, सन् 1966
- नानक चन्द शर्मा (डा०), हरियाणवी भाषा का उद्गम एवं विकास, (शोधप्रबन्ध), 'विश्वज्योति प्रकाशन', होशियारपुर ।
- परशुराम चतुर्वेदी (आचार्य), उत्तर भारत की सन्त परम्परा, सम्बत् 2021 संस्करण, भारती भण्डार, लीडर प्रेस, इलाहाबाद ।
- परशुराम चतुर्वेदी (आ०), मध्यकालीन प्रेमसाधना, 1952 ई०,
- प्रताप सिंह चौहान, सन्तमत में साधना सा स्वरूप, प्रत्यूष प्रकाशन, कानपुर, सन् 1961
- (डा०) प्रभाकर माचवे, हिन्दी ओर मराठी का निर्गुण सन्त-काव्य, सन् 1962
- पीताम्बरदत्त बड़थ्वलाल (डा०), हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय, सम्बत् 2007, अनुवादक—आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
- परशुराम चतुर्वेदी (आ०), सन्त काव्य, किताब महल, प्रयाग, सन् 1942
- परशुराम चतुर्वेदी (आ०), सन्त साहित्य की भूमिका, हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद, सम्बत् 2017
- परशुराम चतुर्वेदी (आ०) कबीर साहित्य की परख, प्रयाग, 2011 सम्बत्,
- पूर्णचन्द शर्मा (डा०), हरियाणा की लोकधर्मी नाट्य-परम्परा प्रकार हरियाणा साहित्य अकादमी चण्डीगढ़
- पृथ्वीसिंह, हमारा राजस्थान,
- बद्रीनारायण श्रीवास्तव, रामानन्द सम्प्रदाय तथा हिन्दी साहित्य पर उसका प्रभाव, 1957 ई० संस्करण,
- भगवत ब्रत मिश्र, सन्त दादू और उनका काव्य, सिकन्दर राउ दिनेश प्रकाशन, सन् 1968
- भगतराम, सन्त गरीबदास जी का चरित्र,

- भगवानदेव वीरभूमि हरियाणा, आचार्य प्रकाशन, हरियाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर, सन् 1955
- भगवान देव (आ०) हरियाणा के वीर योद्धेय, —वही—
- मोती सिंह (डा०), निर्गुण साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, ना० प्र०स० वाराणसी
- मुंशीराम शर्मा (डा०), भक्ति का विकास, चौखम्बा-विद्याभवन, वाराणसी, 1958 ई० ।
- मंगलदास (स्वामी), श्री दादू सम्प्रदाय का संक्षिप्त परिचय, श्री दादू महाविद्यालय रजत जयन्ती महोत्सव समिति, मोती डूंगरी, जयपुर, सम्वत् 2009 वि०
- महर्षि दयानन्द, सत्यार्थ प्रकाश, हरियाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर,
- मोहनलाल, जुत्सी, कबीर साहब : हिन्दुस्तान अकादमी, प्रयाग, सन् 1939
- मनमोहन सहगल (डा०), गुरु ग्रंथ साहिब : एक सांस्कृतिक सर्वेक्षण, भाषा विभाग—पंजाब, सन् 1971
- मनमोहन सहगल (डा०) सन्त काव्य का दार्शनिक विश्लेषण, सन् 1965 भारतेन्दु भवन, चण्डीगढ़ ।
- योगेन्द्रपाल (कविराज), क्षत्रिय जातियों का उत्थान एवं पतन तथा जाटों का उत्कर्ष,
- राजदेव सिंह (डा०), सन्तों का भक्तियोग, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी, 1968 ई०,
- राजदेव सिंह (डा०) शब्द और अर्थ (सन्त साहित्य के सन्दर्भ में), सन् 1965 ई०,
- राजदेव सिंह (डा०), आधुनिक कबीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1971 ई०
- राजदेव सिंह (डा०), सन्तों की सहज साधना, वही, 1976 ई०
- राजदेव सिंह (डा०), सन्त साहित्य : पुनर्मूल्यांकन, 1973 ई० आर्य बुक डिपो, दिल्ली,
- रामखेलवान पाण्डेय (डा०), मध्यकालीन सन्त साहित्य, 1963 ई०,
- रामधारी सिंह दिनकर (डा०), संस्कृति के चार अध्याय, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली, 1956
- रामकुमार वर्मा (डा०), सन्त कबीर, प्रथम संस्करण

- धर्मेन्द्र ब्रह्मचारी, संतमत : परम्परा और साहित्य, जन्मभूमि प्रेस, पटना,
- रामानन्द शास्त्री (सम्पादक), सन्त रविदास और उनका काव्य,
- रामचन्द्र शुक्ल, (आ०), जायसी ग्रन्थावली, ना० प्र० सभा० वाराणसी
- रामकुमार वर्मा (डा०), हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, सन् 1948
- राजाराम शास्त्री, हरियाणा की लोककथाएं,
- रामदास गौड़, हिन्दुत्व, काशी
- रणजीत सिंह (डा०), 19वीं शताब्दी में वेदान्त परम्परा और सन्त निश्चलदास जी की देन, (अप्रकाशित शोधप्रबन्ध)
- रामचन्द्र शुक्ल, (आ०) हिन्दी साहित्य का इतिहास, ना० प्र० सभा, वाराणसी
- राजदेव सिंह, संत साहित्य की भूमिका, आर्य बुक डिपो, दिल्ली, 1973
- राधास्वामी सार वचन, (छन्दबन्द), दयाल बाग, आगरा
- गांसा द तासी, हिन्दुवई साहित्य का इतिहास, अनुवादक—डा० लक्ष्मी सागर वाष्णीय, प्रथम संस्करण, सन् 1953
- वासुदेव शर्मा (डा०), संत कवि दादू और उनका पन्थ, प्रथम संस्करण, 1969, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली ।
- विश्वम्भरनाथ, उपाध्याय (डा०), हिन्दी साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि, साहित्यरत्न भण्डार, आगरा, 2012 सम्वत्
- वही, हिन्दी साहित्य पर तान्त्रिक प्रभाव, आगरा, 1962
- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (आ०), हिन्दी साहित्य का अतीत, भाग 1 तथा 2, वाणी वितान प्रकाशन, पटना ।
- विष्णुदत्त राकेश, (डा०), उत्तरी भारत के निर्गुण पन्थ साहित्य का इतिहास, साहित्य भवन, लि०, इलाहाबाद, सन् 1975
- शान्तिलाल भारद्वाज, आधुनिक राजस्थानी साहित्य, रायल बुक एजेंसी, अजमेर, 2014 वि०
- शान्ति स्वरूप त्रिपाठी, शांकर अद्वैत वेदान्त का निर्गुण काव्य पर प्रभाव, रणजीत प्रिंटर्स एवं पब्लिशर्स, दिल्ली ।
- शंकरलाल यादव, (डा०) हरियाणा प्रदेश का लोक-साहित्य, हिन्दुस्तान अकादमी, इलाहाबाद ।
- सच्चिदानन्द शर्मा (डा०), उदासी सम्प्रदाय और कवि सन्त रेन, सन् 1977
- (डा०) सुदर्शन सिंह मजीठिया, सन्त साहित्य, प्रथम संस्करण, 1962 ।

- सरनामसिंह शर्मा (डा०) कबीर : एक विवेचक, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली ।
- सैयद सुलेमान नदवी, नाथ सम्प्रदाय : इतिहास, दर्शन और साधना प्रणाली, तथा कल्याणी मलिक
- सावित्री सिन्हा, अनुसन्धान की प्रक्रिया, हिन्दी समिति, दिल्ली वि० वि० प्रकाशन,
- सावित्री सिन्हा, अनुसन्धान का स्वरूप, वही,
- (डा०) सत्येन्द्र, अनुसन्धान, नन्दकिशोर एण्ड संज, वाराणसी ।
- एस० एस० रंधावा एवं देवीशंकर प्रभाकर, हरियाणा के लोकगीत,
- हजारी प्रसाद द्विवेदी (आचार्य), मध्यकालीन धर्म साधना, 1970
- हजारी प्रसाद द्विवेदी (आचार्य), हिन्दी साहित्य (उसका उद्भव और विकास), 1969 ई० ।
- हजारी प्रसाद द्विवेदी (आचार्य), कबीर : हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई ।
- हजारी प्रसाद द्विवेदी (आचार्य), नाथ सम्प्रदाय, हिन्दुस्तान अकादमी, इलाहाबाद, 1950
- हजारी प्रसाद द्विवेदी (आचार्य), विचार और वितर्क, हिन्दुस्तान अकादमी, इलाहाबाद, 2002
- हजारी प्रसाद द्विवेदी (आचार्य), हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई,
- हजारी प्रसाद द्विवेदी (आचार्य), सहज साधना, भोपाल, सम्वत् 2020 वि०,
- हरभजन सिंह (डा०), गुरुमुखी लिपि में हिन्दी काव्य, दिल्ली, 1963
- हजारी प्रसाद द्विवेदी (आचार्य), सूर साहित्य, हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई,
- हरिशास्त्री, संत सरोज, महन्त गंगादास, जयपुर, सम्वत् 2002
- त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिन्दी सन्त साहित्य, 1963 ई० ।
- त्रिलोकीनारायण दीक्षित, सन्त दर्शन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
- प० श्रीराम शर्मा, हरियाणा का इतिहास, सेवाश्रम रोहतक ।

(ख) अंग्रेजी ग्रन्थ

- Agam Parshad Mathur; Radha Swami Faith—A Historical Study; Vikas Publishing House, Delhi; 1974.
- Dr. Budh Parkash; Haryana-Studies in History & Culture;

- Dr. Devi Parsad Chattopadhyaya, : Indian Philosophy;
- Furquahar; Outlines of Religious Hindu Literature;
- Furquahar; Modern Religious Movements in India (J. N. York Eed. 1915)
- Gaszetteers of Distt. Gurgaon, Rohtak, Karnal, Jind, Amabala and Mohindergarh.
- George Weston Briggs; Gorakhnath & Kanphatha Yogis, : 1938.
- Dr. H. S. Wilson; Religious Sects of Hindu; 1862
- H. A. Rose; A glossary of the tribes & castes of the Panjab and the Frontiers Provinces, Vol. I. II & III.
- J. C. Ooman; Mysticks, Ascetics and Saints of India (Fissure)
- Journal of Royal Asiatic Society ;
- K. M. Sein; Medeival Mysticism of India; (Luzzac), 1930.
- Dr. K. C. Gupta, Shri Garib Dass-Haryana's saint of Humanities; Impacts, India, 1976.
- M. A. Macaulayr, The Sikh Religion, Six Vol. 1909.
- Dr. Mohan Singh; An Introduction to Panjabi Literature ;
- S. Nahar Singh, Nam Dhari's; Nandhari Sangat, Pahar Ganj Delhi.
- Lt. Ram Sarup Joon; Hoistory of Jats ; V & Po. Nuna Majra (Rohtak).
- Settlement Reports of Distt. Hissar, 1963-64
- Dr. Tara Chond; Influence of Islam in Hindu Culture, Indian Press, Allahabad.
- W. I. Allison, The Sadhs (Religious of India-Series) Calcutta, 1925

(ग) पत्र-पत्रिकाएँ

—हरियाणा चित्र

—विशाल भारत

- | | |
|---|---|
| —समालोचक | —कल्याण (सन्त विशेषांक, तथा उपा-
सना विशेषांक) |
| —सरस्वती संवाद | —साहित्य सन्देश |
| —सप्तसिन्धु | —नागरी प्रचारिणी पत्रिका |
| —विश्वभारतीय पत्रिका,
शान्तिनिकेतन | —सरस्वती (सम्मेलन पत्रिका) |
| —भारतीय साहित्य, आगरा | |
| —हिन्दी अनुशीलन पत्रिका, प्रयाग
विश्वविद्यालय, | |
| —जनवाणी, | —माडर्न रिव्यू |
| —जनसाहित्य | —सन्त |
| —ज्ञानोदय | —आलोचना |
| —विशाल हरियाणा | —साप्ताहिक हिन्दुस्तान |
| —धर्मयुग (साप्ताहिक) | —हरियाणा संवाद |
| —सन्त समागम | —समता सन्देश |
| —शब्द सार | —दादू सेवक |
| —समता दर्पण (उर्दू) | —सत्संग |
| —स्मारिका, कुरुक्षेत्र वि० | |
| —वि०, 1977 | |